पाठ – 10

हम पंछी उन्मुक्त गगन के

–डॉ. शिवमंगल सिंह 'सुमन'

परतंत्रता और बंधन किसी भी रूप में सुखदायी नहीं हैं। अधिक वैभव और सुख के आड़ में पीछे परतंत्रता, पीड़ा और बंधन उनमें समाहित होती है। इस कविता में परतंत्रता की पीड़ा, व पिंजरे में बंद पंछी तथा उसके उद्देश्य हीन जीवन का चित्रण किया गया है। उसकी किस्मत में सिर्फ विवशता, आकुलता और व्यथा ही शेष रह जाती है।

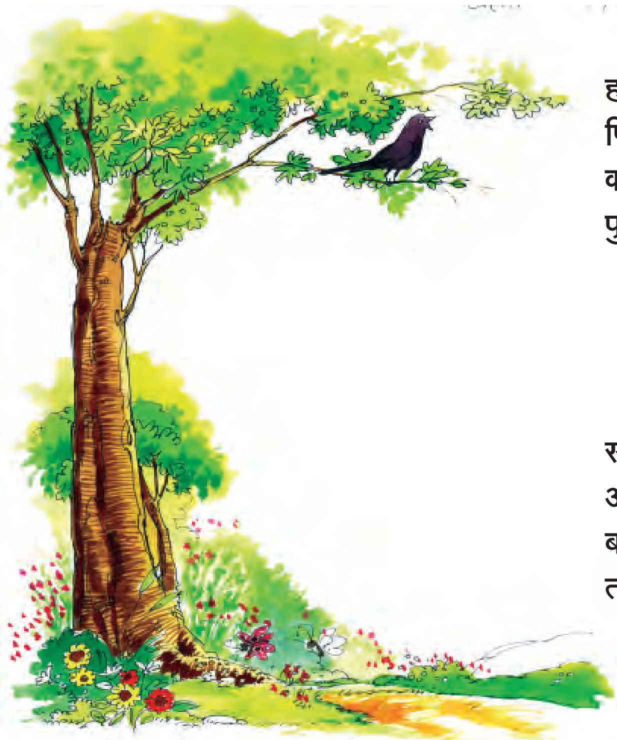

हम पंछी उन्मुक्त गगन के
पिंजरबद्ध न गा पाएँगे,
कनक–तीलियों से टकराकर
पुलकित पंख टूट जाएँगे।

हम बहता जल पीनेवाले
मर जाएँगे भूखे–प्यासे,
कहीं भली है कटुक निबोरी
कनक–कटोरी की मैदा से।

स्वर्ण–श्रृँखला के बंधन में
अपनी गति, उड़ान सब भूले,
बस सपनों में देख रहे हैं
तरु की फुनगी पर के झूले।

ऐसे थे अरमान कि उड़ते
नील – गगन की सीमा पाने,
लाल किरण–सी चोंच खोल
चुगते तारक–अनार के दाने।

होती सीमाहीन क्षितिज से
इन पंखों की होड़ा–होड़ी,
या तो क्षितिज मिलन बन जाता
या तनती साँसों की डोरी।

नीड़ न दो, चाहे टहनी का
आश्रय छिन्न–भिन्न कर डालो,
लेकिन पंख दिए हैं, तो
आकुल उड़ान में विघ्न न डालो।

शब्दार्थ :– **गगन** – आसमान, **पिंजरबद्ध** – पिंजरे में बंद, **पुलकित** – प्रसन्न, **निबोरी** –नीम का फल, **फुनगी** – पेड़ का अंतिम सिरा, **तारक** – पंक्षी, **होड़ा–होड़ी** – बराबरी करना, **विघ्न** – बाधा, **क्षितिज**– वहा स्थान जहाँ पर धरती और आसमान मिलते हुए दिखाई दे। **आश्रय**– सहारा, **आकुल**–व्याकुल

अभ्यास

पाठ से

1. पिंजर बद्ध पंछी के क्या–क्या अरमान थे?
2. हर तरह की सुख–सुविधाएँ पा कर भी पक्षी पिंजरे में बन्द क्यों नहीं रहना चाहता है?
3. पुलकित पंखों का आशय क्या है?
4. 'स्वर्ण.........शृंखला के बंधन में अपनी गति, उड़ान सब भूले', से कवि का क्या आशय है?
5. उन्मुक्त गगन के पंछी से क्या आशय है?
6. कनक तीलियों से कवि का क्या आशय है?
7. निम्नलिखित पद्यांशों का अर्थ स्पष्ट कीजिए–

   क. ऐसे थे अरमान कि उड़ते, नील–गगन की सीमा पाने,
   लाल किरण–सी चोंच खोल, चुगते तारक–अनार के दाने।

   ख. नीड़ न दो चाहे टहनी का, आश्रय छिन्न–भिन्न कर डालो।
   लेकिन पंख दिए हैं तो, आकुल उड़ान में विघ्न न डालो।

3AFGV6

पाठ से आगे

1. आपको कोई पिंजड़े में बंद कर दे किन्तु आपकी आवश्यकता की सारी सुविधाएँ दे, तो क्या आप पिंजड़े में बंद रहना पसन्द करेंगे? हाँ अथवा नहीं कारण सहित उत्तर दीजिए।
2. मनुष्य की वर्तमान जीवन शैली पक्षियों को किस प्रकार से प्रभावित कर रही है? शिक्षक एवं अपने साथियों से चर्चा कर लिखिए।
3. घरों में लोग पक्षी पालकर पिंजरें में रखते हैं। पिंजरे में बंद पक्षी क्या सोचता होगा?
4. परतंत्रता की चिकनी–चुपड़ी रोटी से स्वतंत्रता की रूखी–सूखी रोटी अधिक अच्छी होती है। इस कथन के संमर्थन में अपने विचार लिखिए।
5. पक्षियों को आसमान में उड़ते देखकर आपके मन में क्या–क्या विचार उठते हैं? समूह में चर्चा कर लिखिए।
6. पिंजरे में बंद पक्षी और एक स्वछंद पक्षी दोनों की जीवन शैली में क्या–क्या समानताएँ और अंतर होते है। विचार कर लिखिए।
7. पतंग की उड़ान, पक्षियों की उड़ान, बातों की उड़ान आदि इन तीनों तरह की उड़ानों के संबंध में आपने लोगों को बात करते सुना होगा अथवा स्वयं अनुभव किया होगा। इनमें क्या फर्क है लिखिए।

भाषा से

1. पानी, नीर, अम्बु आदि जल के पर्यायवाची हैं। (प्रायः समान अर्थ या आशय का बोध कराने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहा जाता है।) पाठ में आए निम्नलिखित शब्द के पर्यायवाची दिए गए हैं इनमें से गलत पर्यायवाची शब्द की पहचान कीजिए।

3APCHT

1.	गगन	–	अम्बर, नभ, अनन्य, आसमान
2.	किरण	–	कर, रश्मि, पद्म, अंशु
3.	आश्रय	–	सहारा, आधार, अवसान, अवलंबन
4.	नीड़	–	घोसला, माँद, उद्यम
5.	पंख	–	पर, डेने, परंतु
6.	जल	–	वारि, अम्बु, वारिधि, नीर
7.	वृक्ष	–	पादप, दारू, दरख्त, दोलन
8.	आसमान	–	आकाश, अनिल, व्योम, अंबर
9.	कनक	–	राकेश, स्वर्ण, सोना,धतूरा
10.	पंछी	–	खग, पक्ष, पखेरु, पंछी

2. कविता में पक्षी, स्वर्ण, विघ्न, स्वप्न, श्वास आश्रय, श्रृंखला, उन्मुक्त जैसे शब्द आए हैं जिन्हें हम **तत्सम शब्द कहते हैं** (तत्+सम = उसके समान)। आधुनिक भारतीय भाषाओं में प्रयुक्त ऐसे शब्द जिनको संस्कृत से बिना कोई रूप बदले ले लिया गया है तथा जो सीधे संस्कृत से आये हैं, **तत्सम शब्द कहलाते हैं।** दिए गए तत्सम शब्दों का अर्थ अपनी भाषा में स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए।
3. कनक–तीलियों, स्वर्ण–श्रृंखला पाठ में इस प्रकार के शब्दों में योजक चिह्नों का प्रयोग हुआ है। योजक चिह्न (Hyphen) दो शब्दों को जोड़ने के लिए प्रयोग किया जाता है! योजक चिह्न वाले शब्दों को कविता से छाँटकर लिखिए।
4. प्रस्तुत कविता से अनुप्रास अलंकार का उदाहरण ढूँढकर लिखिए।
5. 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' इस कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

योग्यता विस्तार

3AY8YG

1. आज कल गौरैया जैसे पक्षी विलुप्त हो रहे हैं। विलुप्ती के कगार पर पहुँच रहे पक्षियों को बचाने के लिए क्या किया जा सकता है? समूह में चर्चा कर लिखिए।
2. हमारे संविधान में नागरिकों के लिए कुछ मौलिक अधिकारों का प्रावधान हैं। उनमें स्वतंत्रता का अधिकार भी एक है। सामाजिक विज्ञान के शिक्षक की मदद से यह जानने का प्रयास कीजिए कि स्वतंत्रता के इस अधिकार के अंतर्गत किस–किस तरह के अधिकार शामिल हैं एवं उनकी क्या सीमाएँ हैं?
3. ''स्वतंत्रता हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है'' यह स्लोगन लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने आजादी की लड़ाई के समय दिया था। आप भी स्वतंत्रता के अधिकार के संबंध में जो विचार रखते है, उसके आधार पर कोई दो स्लोगन लिखिए।